विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 8 जुलाई 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

3. शब्द रूपाणि

पिछली कक्षाओं में आप पढ़ चुके हैं। की संस्कृत भाषा में लिङग के तीन भेद है-

1. **पुंल्लिङ्ग** 2. **स्त्रीलिङ्ग** 3. **नपुंसकलिङ्ग**

इन तीनों लिङोग के शब्दों के रूप अलग-अलग प्रकार से चलते हैं। केवल यही नहीं, संस्कृत भाषा में शब्दों का विभाजन उनके अन्तिम स्वर के आधार पर भी किया जाता है; जैसे - 'अ' से अन्त होने वाले शब्द अकारान्त, 'आ' से अन्त होने वाले शब्द अकारान्त, 'ई' से अन्त होने वाले शब्द इकारान्त तथा किसी व्यंजन वर्ण से अन्त होने वाले शब्द हलन्त कहलाते हैं। सभी अकारान्त, आकारान्त, ईकारान्त, उकारान्त आदि शब्दों के रूप पुंल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग तथा नपुंसकलिङ्ग में एक समान रूप हे चलते हैं। इस अध्याय में हम पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले शब्द रूपों पर चर्चा करेंगे –

अकारान्त – पुंल्लिङ्ग शब्द

देव – देवता

विभक्ति	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमा	**देवः**	**देवौ**	**देवाः**

द्वितीय	देवम्	देवौ	देवान्
तृतीया	देवेन	देवाभ्याम्	देवैः
चतुर्थी	देवाय	देवाभ्याम्	देवेभ्यः
पंञ्चमी	देवात्	देवाभ्याम्	देवेभ्यः
षष्ठी	देवस्य	देवयोः	देवानाम्
सप्तमी	देवे	देवयोः	देवेषु
सम्बोधन	हे देव!	हे देवौ!	हे देवाः!